देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 292 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
अर्थव्यवस्था पर चोट

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 2 मार्च 2025

मौसम अधिकतम 23.0° न्यूनतम 12.0° | 82924.41 | 2 बम आपके सिर पर गिर जाए तो क्या | 7 विराट खेलेंगे 300वां वनडे मैच

बर्फ में दबे मजदूरों की तलाश जारी

चमोली हादसे में 4 की मौत, सीएम धामी ने लिया जायजा

संवाददाता

देहरादून। माणा के पास हिमस्खलन की चपेट में आए 17 अन्य श्रमिकों का शनिवार सुबह रेस्क्यू कर लिया गया है। उन्हें सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। अब तक कुल 50 श्रमिकों का रेस्क्यू किया जा चुका है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं इस रेस्क्यू अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। शनिवार को सुबह मुख्यमंत्री ने घटनास्थल का हवाई सर्वेक्षण किया और ज्योतिर्मठ में राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि 05 श्रमिकों की खोजबीन के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान संचालित किया जा रहा है।

शनिवार को घटनास्थल का निरीक्षण कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सीधे यूएसडीएमए स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचे और शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रेस्क्यू अभियान को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि राहत और बचाव दलों ने सराहनीय कार्य करते हुए अब तक 50 लोगों का रेस्क्यू कर लिया है। हिमस्खलन में फंसे 05 और श्रमिकों की खोजबीन के लिए युद्धस्तर पर अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पीएम ने भी फोन पर रेस्क्यू अभियान को लेकर अपडेट लिया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी श्रमिकों की सुरक्षित निकासी के लिए चिंतित हैं और नियमित अपडेट ले रहे हैं। सीएम ने कहा कि घायल श्रमिकों के इलाज के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। माणा और ज्योतिर्मठ में सेना के अस्पताल में घायल श्रमिकों का उपचार हो रहा है। एम्स ऋषिकेश और श्रीनगर मेडिकल कॉलेज के साथ ही स्थानीय सीएचसी और पीएचसी को अलर्ट पर रखा गया है।

उन्होंने बताया कि 05 कंटेनरों को ट्रेस कर श्रमिकों को सुरक्षित निकालने में राहत और बचाव दलों को सफलता मिली है। अत्यधिक बर्फ होने के कारण 03 कंटेनर ट्रेस नहीं हो पा रहे हैं। आर्मी के स्निफर डाग्स की तैनाती की गई है। दिल्ली से सेना की जीपीआर रडार यग्राउण्ड पेनीट्रेशन रडारद्ध मंगवाई गई है, जो बर्फ के अंदर कंटेनरों को ट्रेस करने में मदद करेगी।

जल्द बहाल की जाए संचार व्यवस्थाः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए कि भारी बर्फबारी के कारण जिन गांवों से सम्पर्क नहीं हो पा रहा है, उनसे तुरंत सम्पर्क किया जाए। प्रशासन की टीम को वहां भेजा जाए और उन्हें जिन चीजों की आवश्यकता हो, तुरंत भेजी जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां राशन, दवाइयों के साथ ही अन्य जरूरी सामग्रियों की उपलब्धता है। उन्होंने बदरीनाथ क्षेत्र में संचार व्यवस्था, फोन तथा इंटरनेट को तुरंत बहाल करने और जिन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बाधित हो गई है, वहां सेटेलाइट फोन भेजने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिन गांवों में बिजली बाधित है, वहां जल्द विद्युत व्यवस्था को बहाल करने के निर्देश दिए हैं।

अलकनंदा में पानी जम रहा, सीएम ने रेकी के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विगत दिवस से लगातार रेस्क्यू अभियान की स्वयं निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हवाई सर्वेक्षण के दौरान उन्हें यह आभास हुआ कि भारी बर्फबारी के कारण अलकनंदा नदी जम सी गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रेकी कर इसकी जांच की जाए कि कहीं इससे कोई खतरा तो नहीं है। उन्होंने विशेषज्ञ संस्थानों को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने तथा यदि कोई खतरे की स्थिति हो तो तुरंत सुरक्षात्मक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने एरियर सर्वे, मैनुअल सर्वे तथा सेटेलाइट सर्वे कर जल्द रिपोर्ट देने को कहा है।

संक्षिप्त समाचार

तुहिन पांडेय ने संभाली सेबी की कमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच वरिष्ठ नौकरशाह तुहिन कांत पांडेय ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के 11वें चेयरमैन के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। इस मौके पर उन्होंने पारदर्शिता और टीम-वर्क पर ध्यान केंद्रित करने का वादा किया। पांडेय ऐसे समय में सेबी के प्रमुख का पद संभालेंगे जब एफआईआई की निकासी के बाद बाजार में मंदी का दबाव देखने को मिल रहा है।

15 साल पुरानी गाड़ियों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने प्रदूषण की रोकथाम के लिए बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले के मुताबिक एक अप्रेल से दिल्ली में 15 साल पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल डीजल मिलना बंद हो जाएगा। दिल्ली के प्रदूषण को लेकर सिरसा ने अधिकारियों के साथ एक मैराथन मीटिंग की थी। इस मीटिंग में प्रदूषण को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और कई फैसले लिए गए।

दुनिया की नई फैक्ट्री बन रहा भारतः पीएम

एनएक्सटी कॉन्क्लेव में पीएम मोदी ने विपक्ष पर किया तीखा हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विश्व 21वीं सदी के भारत की ओर बेहद उत्सुकता से देख रहा है। वोकल फॉर लोकल अब वास्तविकता में बदल रहा है। भारत आज विश्व का नया विनिर्माण केंद्र बन रहा है और आज यह केवल कार्यबल नहीं, बल्कि विश्व शक्ति बन रहा है। पहले जिस सामान का आयात किया जाता था, अब वो देश में ही निर्मित किया जा रहा है तथा भारत अब इन उत्पादों के निर्यात के लिए महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उभर रहा है।

नई दिल्ली में शनिवार को भारत मंडपम में एनएक्सटी कान्क्लेव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर से लोग भारत आना और उसे समझना चाहते हैं। भारत एक ऐसा देश है, जहां सकारात्मक खबरें बन रही हैं, रोजाना नए रिकॉर्ड बन रहे हैं और हर दिन कुछ नया हो रहा है।

महाकुंभ ने पूरे विश्व को चकित कर दिया कि कैसे नदी के किनारे एक अस्थायी शहर में करोड़ों लोगों ने पवित्र स्नान किया। दुनिया भारत के आयोजन और नवाचार कौशल को देख रही है। भारत सेमीकंडक्टर से लेकर एयरक्राफ्ट कैरियर तक सब कुछ बना रहा है और विश्व भारत की सफलता के बारे में विस्तार से जानना चाहता है। उन्होंने कहा कि दशकों से दुनिया भारत को अपना बैक आफिस कहती रही है, लेकिन आज भारत दुनिया की नई फैक्ट्री बन रहा है, जो देश कभी कई उत्पादों का आयात करता था, वह अब एक निर्यात केंद्र के रूप में उभर रहा है।

चुप क्यों था खान मार्किट गैंग व लूटियंस जमात?

मोदी ने कहा कि बीते एक दशक में हमने करीब डेढ़ हजार ऐसे कानूनों को खत्म किया है जो अपना महत्व खो चुके थे। इनमें से बहुत सारे कानून अंग्रेजी शासन के दौरान बने थे। ड्रैमेटिक परफारमेंस एक्ट अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले बनाया था, तब अंग्रेज चाहते थे कि ड्रामे और थियेटर का उपयोग तत्कालीन सरकार के खिलाफ ना हो। इस कानून में प्रविधान था कि अगर सार्वजनिक स्थल पर 10 लोग डांस करते मिल जाएं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता था। लूटियंस जमात और खान मार्किट गैंग 75 साल तक ऐसे कानून पर चुप क्यों थे?

8 मार्च को लागू हो सकती है महिला सम्मान योजना!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दिल्ली की महिलाओं को बड़ा तोहफा दे सकती है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान महिला सम्मान योजना के तहत हर महिला को 2500 रुपए देने का वादा किया था। माना जा रहा है कि चुनाव जीतने के बाद अब दिल्ली सरकार अपने इसी वादे को 8 मार्च को पूरा कर सकती है। दरअसल इस बारे में दिल्ली बीजेपी ने कहा है कि भाजपा महिलाओं के सम्मान में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि इसी कार्यक्रम में भाजपा महिलाओं को लेकर अपने सबसे बड़े वादे पर कुछ ऐलान कर सकती है।

वीरेंद्र सचदेवा ने बात की गई तो उन्होंने कहा, 8 मार्च को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस है और मुझे लगता है कि देश में हर दिन को महिला दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। हमारी सरकार हर वर्ग के लिए काम करने और उन्हें साथ लेकर चलने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा 8 मार्च की तारीख आने दीजिए, चीजें जल्द ही साफ हो जाएंगी।

तोहफा

■दिल्ली सरकार महिला दिवस पर 2,500 देने का कर सकती है ऐलान

दिल्ली सरकार ने दिया था निर्देश

इससे पहले सरकार में कार्यरत नौकरशाहों को महिलाओं के कल्याण पर केन्द्रित उन योजनाओं का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया गया था। एक अधिकारी ने बताया था कि महिला सम्मान योजना का नाम बदलकर महिला समृद्धि योजना कर दिया जाएगा। इसके तहत लाभार्थियों को अब 2,500 रुपये प्रति माह मिलेंगे। जबकि आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के तहत 1,100 रुपये दिए जाते थे।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

भारी बर्फबारी और बारिश से आपदा जैसे हालात

संवाददाता

देहरादून। भारी हिमपात और वर्षा से सीमांत में स्थिति आपदा काल जैसी बनी है। भारी हिमपात से बंद थल-मुनस्यारी मार्ग पर कालामुनि से मुनस्यारी के मध्य बर्फ हटाने का कार्य चल रहा है। मार्ग के आज खुलने के आसार नहीं हैं।

मुनस्यारी-मिलम मार्ग बंद होने से उच्च मध्य हिमालयी लगभग

■उत्तराखंड में अलग-थलग पड़े कई गांव, दर्जनों गाड़ियां फंसी

एक दर्जन गांव अलग-थलग पड़े हैं। हिमपात होने से 11 केवी विद्युत लाइन और एलटी लाइन क्षतिग्रस्त हो चुकी है। हिमपात से पेड़ों की टहनियां टूटी हैं। धारचूला के कूलागाड़ के पास पहाड़ से गिरे पत्थर की चपेट में आने से मजदूर बाल-बाल बचे हैं। शनिवार अपराह्न तक उच्च हिमालय में हिमपात जारी रहा।

धारचूला में दोबाट और रांगुती के पास बंद टनकपुर-तवाघाट हाईवे खुल चुका है। तवाघाट-सोबला-दारमा मार्ग यातायात के लिए बंद है। लिपुलेख मार्ग बूंदी के पास तक खुला है। बूंदी से आगे भारी बर्फ होने से मार्ग बंद है। निचले क्षेत्रों में जहां वर्षा से राहत मिली वहीं बर्फीले क्षेत्रों में आफत बढ़ी है।

न्यूज डायरी

इजरायल ने सीरिया में रूसी मिलिट्री बेस के लिए अमेरिका से लगाई गुहार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। सीरिया में बीते साल, 2024 के दिसंबर में बड़े नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिले हैं। कई दशक से सीरिया की सत्ता पर काबिज बशर अल असद परिवार को अबु मोहम्मद जुलानी के नेतृत्व में विद्रोही लड़ाकों ने देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। असद के सीरिया छोड़ने के बाद से देश में कई गुट एक–दूसरे से लड़ रहे हैं और पूरी तरह शांति नहीं लौट सकी है। इस सबके बीच इजरायल चाहता है कि सीरिया में ये अशांति जारी रहे। इजरायल अमेरिका से भी सीरिया को कमजोर और बिखरा हुआ रखने की पैरवी कर रहा है। इसमें रूस को अपने सैन्य ठिकाने सीरिया में बनाए रखने देना भी शामिल है ताकि तुर्की के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। इजरायली वेबसाइट यरुशलम पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में ये कहा है। इजरायली अधिकारियों ने वॉशिंगटन को बताया है कि सीरिया के नए इस्लामी शासक उनके देश के लिए खतरा हैं क्योंकि उनको तुर्की से समर्थन मिल रहा है। इजरायली अफसरों ने इसी महीने, फरवरी में वॉशिंगटन में हुई बैठकों और बाद में अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधियों के साथ अपने देश में हुई मुलाकातों के दौरान अमेरिकी अधिकारियों को सीरिया के बारे में अपने विचार बताए हैं। यह जानकारी तीन अमेरिकी सूत्रों और इन संपर्कों से परिचित एक दूसरे व्यक्ति ने दी है। अमेरिकी थिंकटैंक सेंचुरी इंटरनेशनल के फेलो एरॉन लुंड का कहना है कि इजरायल का बड़ा डर यह है कि तुर्की के नई सीरियाई सरकार के साथ आने से वहां हमास जैसे गुट पैदा हो सकते हैं।

शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस की जांच का ऐलान किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह जल्दी ही अपने वतन वापस जा सकती हैं। उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर देश की व्यवस्था को पटरी से उतार देने का आरोप लगाया है। भारत से एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि वह ढाका लौटकर यूनुस के गैरकानूनी कामों की जांच कराएंगी और लोगों को न्याय दिलाएंगी। सबसे ज्यादा समय बांग्लादेश की पीएम रहीं हसीना ने देश में भारी विरोध प्रदर्शन और हिंसा के बाद 5 अगस्त, 2024 को ढाका छोड़ दिया था और भारत आ गई थीं। अवामी लीग पार्टी की नेता शेख हसीना ने एक वीडियो संदेश में अपने मुल्क के लोगों से कहा, श्मैं वापस आऊंगी और सबकी जांच होगी। मोहम्मद यूनुस की सरकार ने आतंकवादियों को खुला छोड़ दिया है। वे लोगों को मार रहे हैं और सड़कों पर उत्पाद मचा रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश के संस्थानों पर अवैध कब्जा कर लिया है। मैं वापस आकर अपने लोगों को इंसाफ दिलाऊंगी। शेख हसीना ने यूनुस पर आतंकवादियों को छोड़ने और उनका देश के संस्थानों पर अवैध कब्जा कराने का आरोप लगाया है। हसीना ने अपने समर्थकों से वादा करते हुए कहा है कि वह ढाका लौटकर उनको न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ेंगे। हसीना ने ये संकेत भी दिया है कि वह बांग्लादेश के अगले चुनाव में अवामी लीग का नेतृत्व कर सकती हैं।

अमेरिका को 250 साल बाद मिलेगी राष्ट्रीय भाषा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका को अपनी आजादी के करीब 250 साल बाद राष्ट्रीय भाषा मिलने जा रही है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बताया है कि राष्ट्रपति ट्रंप एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं, जो अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक भाषा का दर्जा देगा। यह फैसला ट्रंप के अवैध अप्रवास के खिलाफ सख्त रुख को मजबूत करने की ओर एक कदम है। ट्रंप कब इस आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे, इसकी तारीख का खुलासा वाइट हाउस के अधिकारियों ने नहीं किया है। अमेरिका के 32 राज्यों ने पहले ही अंग्रेजी को अपनी आधिकारिक भाषा घोषित किया हुआ है। हालांकि टेक्सास जैसे राज्यों में भाषा को लेकर विवाद भी रहा है। अमेरिका के इतिहास में पहली बार संघीय स्तर पर आधिकारिक भाषा तय की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करके अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक भाषा बनाएंगे। ट्रंप ने सार्वजनिक जीवन में अंग्रेजी के इस्तेमाल की पुरजोर वकालत की है।

अगर बम आपके सिर पर गिर जाए तो क्या होगा

रिपोर्ट

प्रेस वार्ता में जेलेंस्की से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हुई तीखी बहस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ यूक्रेनी राष्ट्रपति की बैठक की चर्चा आज दुनिया भर में हो रही है। दरअसल, अमेरिका पहुंचे जेलेंस्की ने ट्रंप के साथ प्रेस वार्ता में तीखी बहस की। मुद्दा रूस से युद्ध को लेकर गर्माया था, जिसके बाद दोनों नेताओं में बहस छिड़ी। इसी दौरान एक सवाल के जवाब में ट्रंप का रिएक्शन काफी वायरल हो रहा है।

ओवल ऑफिस में बैठक में ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को कड़ी फटकार लगाई। इसमें रूस के साथ शांति वार्ता में यूक्रेन की स्थिति पर सवाल उठाए गए। इस बीच जब एक रिपोर्टर ने रूस द्वारा युद्ध विराम तोड़ने की संभावना के बारे में पूछा, तो ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने तंज कसते हुए जवाब दिया।

ट्रंप ने रूस के ऐसे किसी भी कदम को खारिज करते हुए कहा, क्या होगा अगर बम अभी आपके सिर पर गिर जाए? क्या होगा अगर उन्होंने युद्धविराम तोड़ दिया? मुझे नहीं पता, उन्होंने बाडन के साथ युद्धविराम क्यों तोड़ा और उन्होंने उनका सम्मान नहीं किया। उन्होंने ओबामा का सम्मान नहीं किया। लेकिन वे मेरा सम्मान करते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बहुत कुछ सहा लेकिन उनके साथ कोई सौदा नहीं तोड़ा। ट्रंप ने कहा कि वो मेरा सम्मान करते हैं और वो युद्धविराम को मानेंगे।

वाशिंगटन में जेलेंस्की की यात्रा का उद्देश्य यूक्रेन के दुर्लभ पृथ्वी खनिजों तक अमेरिका की पहुंच प्रदान करने वाले सौदे को अंतिम रूप देना था। ये एक ऐसा कदम जिसके बारे में ट्रंप ने कहा कि यह यूक्रेन को युद्ध समाप्त करने के करीब लाएगा। हालांकि, दोनों नेताओं में तनाव बढ़ गया और बैठक अचानक समाप्त हो गई।

बता दें कि दोनों नेताओं में टकराव तब बढ़ गया जब ट्रंप ने जेलेंस्की पर अमेरिकी सहायता का आभारी न होने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा, समस्या यह है कि मैंने आपको एक सख्त आदमी होने का अधिकार दिया है और मुझे नहीं लगता कि आप अमेरिका के बिना एक सख्त आदमी होंगे। लेकिन अगर हम पीछे हट गए, तो आप इस लड़ाई में मुकाबला नहीं कर पाएंगे।

ट्रंप और जेलेंस्की की बैठक के बाद कई देशों के नेताओं ने और खासकर यूरोप के नेताओं ने यूक्रेन का समर्थन किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूक्रेन का समर्थन कर रूस की निंदा की है। मैक्रों ने कहा, रूम हमलावर है और यूक्रेन पीड़ित है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा, आज हमने व्हाइट हाउस से जो देखा वो निराशाजनक है। यूक्रेन को अभी भी अमेरिका के समर्थन की जरूरत है।

ट्रंप–जेलेंस्की की लड़ाई पर रूस ने लिए मजे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज मास्को। अमेरिका पहुंचे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और डोनाल्ड ट्रंप में आज कैमरे के सामने तीखी बहस देखने को मिली। रूस से युद्ध खत्म करने पर बात करने पहुंचे जेलेंस्की ने ट्रंप से ही लड़ाई मोल ले ली। अब इस बहस के मजे लेते हुए रूस ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की पर तंज कसा है।

रूस ने व्हाइट हाउस में ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस पर खुशी जताई और कहा कि वो इसी के हकदार थे। रूस ने कहा कि ये लड़ाई मॉस्को के लिए एक तोहफा है, जो ट्रंप की नई सरकार के साथ बेहतर संबंध बनाने पर काम कर रहा है। रूस की सिक्योरिटी काउंसिल के उपाध्यक्ष मेदवेदेव ने भी इस पर बयान दिया है। टेलीग्राम पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, ओवल ऑफिस में जेलेंस्की की बुरी तरह पिटाई हुई।

वहीं, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, ये तो यूक्रेनी राष्ट्रपति बच गए कि ट्रंप और वेंस ने बहस के दौरान जेलेंस्की पर हमला नहीं कर दिया। हालांकि, चैनलों पर सबने सब देखा। जिस हाथ ने खिलाया, उसे को जेलेंस्की काट रहे थे। पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने ट्रंप के जवाब को जेलेंस्की पर एक जोरदार तमाचा बताया।

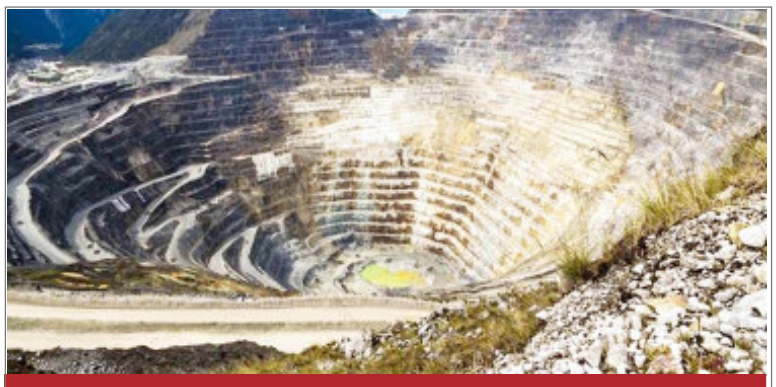

ग्रासबर्ग खदान सोने और तांबे की प्रमुख उत्पादक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जकार्ता। सोने का खनन सदियों से एक बड़ा उद्योग रहा है। दुनिया के कुछ हिस्सों में सोने के बड़े भंडार हैं, जो उस क्षेत्र की समृद्धि में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसी ही एक सोने की खदान इंडोनेशिया के पापुआ क्षेत्र में स्थित है, जो सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले इस देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। ग्रासबर्ग नाम की ये खदान दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अमीर सोने की खदान है। इस खान से हर साल करीब 48 टन सोना उत्पादित करती है। इसकी बड़ी खासियत ये है कि यह सोने के साथ–साथ दुनिया की सबसे बड़ी तांबे की खदानों में से भी एक है। ग्रासबर्ग खदान से निकाले जाने वाले अयस्क में सोने और तांबे दोनों की उच्च मात्रा होती है। ग्रासबर्ग खदान पापुआ के सबसे ऊंचे पर्वत पुंचक जया के पास स्थित है। यह पूरा क्षेत्र ही टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने से बना है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से माफी मांगने का सवाल ही नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■जेलेंस्की ने अमेरिका से रिश्ते बेहतर होने की उम्मीद जताई

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में तीखी बहस दुनियाभर में चर्चा में है। जेलेंस्की की बैठक में ट्रंप से तल्खी इस हद तक बढ़ी कि उनको वाइट हाउस से जाने के लिए कह दिया गया। इसका ना सिर्फ दोनों नेताओं बल्कि यूक्रेन और अमेरिका के रिश्ते पर भी असर हो सकता है। हालांकि जेलेंस्की ने इस घटनाक्रम के कुछ घंटे के अंदर ही अपने रुख में नरमी का संकेत दिया है। उन्होंने ट्रंप से माफी मांगने से इनकार किया लेकिन ये उम्मीद भी जताई है कि यूक्रेन और अमेरिका के रिश्ते इस विवाद से प्रभावित नहीं होंगे।

ट्रंप से बहस के बाद दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की कहा कि दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्ते इस तनाव से प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि अमेरिका यूक्रेन का साथ देता रहेगा। उन्होंने कहा, श्यूक्रेन और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक संबंध दो राष्ट्रपतियों के रिश्ते से ज्यादा अहमियत रखते हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच ऐतिहासिक रिश्ता है, जो आगे भी जारी रहना चाहिए। आपके लोगों ने हमारे लोगों को बचाने में मदद की है और हम ये मजबूत रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने माना कि यह बातचीत दोनों ही पक्षों के लिए अच्छी नहीं थी।

बैठक के दौरान हुई गर्मागर्मी पर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ बुरा किया, दोनों ही पक्षों के लिए ये ठीक नहीं था। हालांकि साक्षात्कार के दौरान जेलेंस्की ने ट्रंप से टकराव के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि यूक्रेन के सहयोगी जमीनी स्थिति की गंभीरता को समझें। इसे शायद ट्रंप प्रशासन समझ नहीं पा रहा है।

ओवल ऑफिस में टकराव की शुरुआत पर जेलेंस्की ने ट्रंप और वेंस की टिप्पणियों की ओर इशारा किया, जिनमें कहा गया कि युद्ध से यूक्रेन कमजोर हो गया है और यूक्रेनी सैनिक लड़ाई छोड़ रहे हैं। उन्होंने इसे अपने देश के सैनिकों की बहादुरी का अपमान माना।

तालिबान के संस्थापक के बेटे की पाकिस्तान में हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के नौशेरा जिले में एक कुख्यात मदरसे दारुल उलूम हक्कानिया में हुए आत्मघाती हमले में तालिबान के संस्थापक कहे जाने वाले दिवंगत मौलाना सामी उल हक के बेटे मौलाना हामिद उल हक की हत्या कर दी गई। यह हमला जुमे की नमाज के बाद किया गया। यह मदरसा दशकों से तालिबानी आतंकियों के लिए सबसे बड़े स्कूल की तरह से है। इस भीषण हमले की आईएसकेपी आतंकियों ने जिम्मेदारी ली है। ये आईएस आतंकी लगातार पाकिस्तानी सेना के इशारे पर तालिबान को निशाना बना रहे हैं। मौलाना हामिद के अलावा उनके 5 अन्य करीबी लोग भी इस हमले में मारे गए हैं। सीमा रेखा डूरंड लाइन पर लगातार तोपे गरज रही हैं।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

खाद्य सुरक्षा के मानकों का हो कड़ाई से अनुपालन

आदेश

जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने दिए सख्त आदेश

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सुरक्षित भोजन एवं स्वस्थ आहार की योजना को सुदृढ़ बनाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में जनपद के खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

शनिवार को जिला कार्यालय एनआईसी सभागार में आयोजित बैठक के दौरान ईट राइट इंडिया अभियान स्वस्थ एवं संतुलित आहार को बढ़ावा देने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा मानकों को लागू करने और जागरूकता अभियान चलाने के संबंध में विचार–विमर्श हुआ। छात्रों को पौष्टिक एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने हेतु निरीक्षण प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने की योजना पर बात की गई। खाद्य उत्पादों में हानिकारक रसायनों की जांच और उनकी रोकथाम के उपायों पर को लेकर भी जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने उपस्थित अधिकारियों एवं संबंधित स्टेकहोल्डर्स को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से लागू करने, निरीक्षण प्रणाली को प्रभावी बनाने और आम जनता को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी बाजारों से नियमित तौर पर सैंपल एकत्रित किए जाएं एवं समयबद्ध तरीके से जांच रिपोर्ट प्राप्त हो। उन्होंने बैठक में उपस्थित व्यापार मंडल के सदस्यों से प्रशासन को सहयोग करने की बात कही।

जिलाधिकारी ने व्यापारियों के दायित्वों की एसओपी तैयार करने के साथ–साथ प्रत्येक दुकान पर जाकर उसके सत्यापन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराने वाले होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबों के भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली की ओर से प्रमाणीकरण सर्टिफिकेट सत्यापन कराए जाने की मुहिम चलाई जाए एवं सत्यापित दुकानों का यात्रा मार्गों पर प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में अभिहीत अधिकारी एवं सचिव, जिला सलाहकार समिति मनोज कुमार सेमवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में जनपद में कुल 175 खाद्य नमूने लिए गए। इनकी लैब जांच रिपोर्ट के अनुसार 2 खाद्य नमूने अधोमानक पाए गए। इसके अतिरिक्त, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के उल्लंघन के तहत 9 चालानी वादों सहित कुल 11 वाद न्यायनिर्णायक अधिकारी, रुद्रप्रयाग के समक्ष दायर किए गए। इनमें से 8 वादों में माननीय न्यायालय द्वारा कुल 2.75 लाख रुपए का जुर्माना भी गाया गया।

इस अवसर पर अभिहीत अधिकारी मनोज कुमार सेमवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार चौधरी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

हरिद्वार में कांग्रेस का कैबिनेट मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन

संवाददाता हरिद्वार। जिला महानगर कांग्रेस ने कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के खिलाफ सीसीआर टावर परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। सीसीआर टावर परिसर के गेट पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास भी किया, लेकिन वह नहीं रुके और जबरन परिसर में घुसकर मुख्य द्वार पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कुछ देर बार नगर कोतवाल के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने कांग्रेसियों को जबरन उठाकर मायापुर चौकी ले आयी। यहां लाकर प्रदर्शनकारियों को छोड़ दिया गया। इस मौके पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और युवा नेता वरुण बालियान ने कहा कि जब तक मुख्यमंत्री धामी अपने मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का इस्तीफा नहीं लेते तब तक कैबिनेट मंत्री को हरिद्वार में नहीं घुसने दिया जाएगा।

दिव्य ज्योति वेद मन्दिर को मिला तीसरा विश्व रिकॉर्ड सम्मान

संवाददाता देहरादून। दो ऐतिहासिक विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने के उपरान्त, दिव्य ज्योति वेद मन्दिर को पुनः तीसरी विश्व रिकॉर्ड मान्यता प्राप्त हुई है। 26 फरवरी 2025 को, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने आधिकारिक रूप से डीजेवीएम को इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह पंजाब के नूरमहल में आयोजित हुआ, जहां इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के आधिकारिक निर्णायक पंकज विज एवं प्रीति विज ने दिव्य ज्योति वेद मन्दिर के प्रतिनिधि मंडल, साध्वी दीपा भारती, साध्वी भक्तिप्रिया भारती, सहित ब्रह्मज्ञानी वेद पाठीयों को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। प्रयागराज कुम्भ 2025 में दिव्य ज्योति वेद मन्दिर ने दिव्य गुरु आशुतोष महाराज के दिव्य मार्गदर्शन में विश्व का सबसे विशाल रुद्राष्टाध्यायी रिले–पाठ संपन्न कर एक विश्व कीर्तिमान स्थापित किया।

3 में से 2 भारतीय बादाम को मानते हैं हाई–प्रोटीन स्नैक

संवाददाता देहरादून। वर्ल्ड प्रोटीन डे के मौके पर आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया के सहयोग से यूगोव द्वारा किए गए एक नए सर्वे में पता चला है कि ज्यादातर भारतीय प्रोटीन को एनर्जी पाने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए बेहद जरूरी मानते हैं। भारत के 17 शहरों में 4,300 लोगों पर किए गए इस सर्वे में यह बात सामने आई कि 3 में से 2 भारतीय (65 प्रतिशत) बादाम को हाई–प्रोटीन स्नैक मानते हैं। लखनऊ (38 प्रतिशत), तिरुवनंतपुरम (37 प्रतिशत), कोयंबटूर (34 प्रतिशत), गुवाहाटी (34 प्रतिशत) और इंदौर (31 प्रतिशत) जैसे छोटे शहरों में बादाम को प्रोटीन के स्रोत के रूप में ज्यादा पहचान मिली है।

रवांई वसंतोत्सव मेले में उमड़ी क्षेत्र से ग्रामीणों की भीड़

संवाददाता पुरोला। खेल मैदान पुरोला में आयोजित रवांई वसंतोत्सव एवं विकास मेले में शनिवार को पूर्व विधायक राजेश जुंवाठा ने सांस्कृतिक मेले का दीप जला कर उद्घघाटन किया। सांस्कृतिक संध्या में सुनिल बेसारी टीम के साथ रेशमा शाह,अतर शाह,मनोज सागर,संतोषी खत्री,कृपा राम कुंवर, नरेंद्र पंदरवान,अन्य कलाकारों द्वारा जौनसारी ,बावरी,हारुन, हिमाचली नाटी, लोकगीतों की प्रस्तुतियां दी गई।

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष बिहारी लाल शाह ने मेले में आए सभी लोगों का धन्यावाद करते शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि राजेश जुवांठा ने कहा कि इस प्रकार के मेले क्षेत्र में आयोजित होने चाहिए इससे स्थानीय कलाकारों को मंच मिलने सहित क्षेत्रीय लोगों को सस्ते दरों पर सामान खरीदने का लाभ होगा। वहीं दूसरी और दूर–दराज से आयें लोगों ने मेले में खूब खरीदारी की।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस दिनेश चोहान,मेला पूर्व ब्लाक प्रमुख लोकेंद्र रावत, भूपेंद्र चोहान, योगेश तिवारी,अधिकारी प्रदीप कुमार दयाल, बलदेव असवाल, राजपाल रावत, कबिदंर असवाल, बिरज मोहन चोहान जगदेव नेगी, प्रकाश चन्द्र,रेखा जोशी,किशन सिंह रावत, दिनेश, संदीप रावत, जयवीर हिमानी,कमलाराण शर्मा, सूर्या लाल शाह, राजकुमार,बरदेव नेगी,जेपी राही, संगिता बोरा सहित सभासद मनोज हिमानी, हेमशेवता असवाल, अनुराधा गुंसाई,करुणा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए कृषि प्रसार कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता पुरोला। पंजाब नेशनल बैंक पुरोला द्वारा शनिवार को तहसील सभागार में कृषि प्रसार कार्यक्रम के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में 19 महिला समूहों ने भाग लिया। पीएनबी शाखा प्रबंधक नरेन्द्र नेगी ने बताया की इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों को सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, जैसे कि प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज योजना और कृषि अवसंरचना कोष के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। इन योजनाओं का उद्देश्य सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को बढ़ावा देना और कृषि अवसंरचना को मजबूत करना है। इसके अलावा, यह कृषि अवसंरचना कोष के माध्यम से कृषि से जुड़े उद्यमों को भी सहायता प्रदान करेगा।

जिला अधिकारी के दिशा निर्देशन में सरकार–जनता के द्वार कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे

रुद्रप्रयाग। जिला अधिकारी सौरभ गहरवार के दिशा निर्देशन में सरकार–जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जनपद रुद्रप्रयाग के विभिन्न विकास खंडों में जनता दरबार आयोजित किए जाएंगे। इस विशेष अभियान के तहत आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

जनता दरबार का कार्यक्रम के तहत 4 मार्च को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश विकासखंड अगस्त्यमुनि के नारी गांव में आयोजित जनता दरबार में जनता की समस्याएं सुनेंगे और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। 5 मार्च को उप जिलाधिकारी भगत सिंह फोनिया उछोला गांव में आयोजित जनता दरबार में प्रतिभाग करेंगे और क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान करेगे,5 मार्च को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अधिशासी अभियंता पाला कुराली गांव में जनता दरबार के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं को सुनेंगे और शिकायतों का समाधान करेंगे। 6 मार्च को लघु सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता मोहन सिंह आर्य चोंडा सिराई गांव में जनता दरबार के तहत क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनेंगे

इस दौरान जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को सरकार–जनता के द्वार कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

रिस्पना और कोसी की भांति रंभा नदी का होगा पुर्नजीवन

संवाददाता ऋषिकेश। भाजपा जिला कार्यालय ऋषिकेश पहुंचे सांसद हरिद्वार एवं पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत का शनिवार को कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान सांसद ने कहा कि रिस्पना और कोसी की भांति रंभा नदी का भी पुर्नजीवन होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी कर रीति–नीति को आगे बढ़ाने के साथ–साथ सामाजिक कार्यों में भी योगदान देने को प्रेरित किया। सांसद रावत ने कहा की जिस प्रकार विगत वर्षों में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं जनसहयोग से रिस्पना और कोसी नदी को पुर्नजीवित करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर लाखों पौधे रोपित किए गए। ठीक उसी प्रकार ऋषिकेश में विलुप्त हो रही रंभा नदी को भी पुनर्जीवित करने का हमें मिलकर संकल्प लेना है। उन्होंने इस पर तेजी से कार्य किए जाने के लिए कहा।

अर्थव्यवस्था पर चोट

साइबर अपराधी अब पहले से ज्यादा संगठित और ज्यादा ताकतवर बन चुके हैं। म्यांमार में ही जो भारतीय फंसे हुए थे, उन्हें नौकरी का झांसा देकर बुलाया गया था। काम और जगह कोई और बताई गई, फिर धोखा देकर साइबर क्राइम में धकेल दिया गया।

रहीस सिंह।।

म्यांमार के साइबर क्राइम अड्डों से 70 भारतीयों को जिस तरह छुड़ाया गया, उससे पता चलता है कि यह समस्या कितनी गंभीर है। साइबर अपराधियों का जाल बहुत फैला हुआ है और खत्म करने के लिए साझे प्रयास की जरूरत है।

साइबर अपराधी अब पहले से ज्यादा संगठित और ज्यादा ताकतवर बन चुके हैं। म्यांमार में ही जो भारतीय फंसे हुए थे, उन्हें नौकरी का झांसा देकर बुलाया गया था। काम और जगह कोई और बताई गई, फिर धोखा देकर साइबर क्राइम में धकेल दिया गया। छुड़ाए गए भारतीयों में गुजरात, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, यूपी समेत कई राज्यों के लोग हैं। इतना बड़ा अपराध संगठित नेटवर्क के बगैर नहीं चल सकता। जब तक इस नेटवर्क को खत्म नहीं किया जाता, आम लोग इसके चंगुल में फंसते रहेंगे।

म्यांमार का म्यावाडी वैसे भी साइबर अपराध के लिए बदनाम है। यहां करीब 2000 भारतीय फंसे हुए हैं। इनमें से ज्यादातर से जबरदस्ती ऑनलाइन ठगी कराई जा रही है। अभी जो रेस्क्यू ऑपरेशन हुआ, उसे म्यांमार की बॉर्डर गार्ड फोर्स ने अंजाम दिया है। भारत और दूसरे देशों को इस मामले में म्यांमार का सहयोग लेना चाहिए और जरूरत पड़े तो मदद करनी चाहिए ताकि इस अड्डे को पूरी तरह खत्म किया जा सके। यहां दूसरे मुल्कों के लोग फंसते ही नहीं हैं, बल्कि यहीं से उन मुल्कों के लोगों को फंसाया भी जाता है।

आज साइबर अपराधियों की जद से कुछ भी बाहर नहीं है। अनुमान है कि इस साल तक साइबर क्राइम की वजह से होने वाला नुकसान 10 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो सकता है। 10 साल पहले यह आंकड़ा 3 ट्रिलियन डॉलर के आसपास था। यानी, साइबर अपराधियों ने दुनियाभर की सरकारों की नाक के नीचे इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था खड़ी कर ली है, जिसकी यदि देशों से तुलना की जाए तो तीसरे नंबर पर आएगी। यही पैसा फिर आतंकवाद और अराजकता फैलाने में इस्तेमाल होता है।

जून 2022 के बाद से म्यांमार, कंबोडिया, लाओस और थाईलैंड से 600 से अधिक भारतीयों को रेस्क्यू किया जा चुका है। इसका एक मतलब यह भी है कि साइबर क्रिमिनल्स पर फुटकर हमलों का असर नहीं हो रहा। वे पहले की तरह ही आम लोगों को जरिया बनाकर आम लोगों को ठगने में लगे हुए हैं। इसे खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय पहल की जरूरत है।

शतशीर्षा

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। वासुकी नाग देवता के बारे में यह भी वर्णन मिलता है ये महर्षि कश्यप के पुत्र थे। इनका जन्म माता कद्रु के गर्भ से हुआ था। इनकी पत्नी का नाम शतशीर्षा है। इनके पुत्र आस्तीक भी परम प्रतापी नाग देवताओं में एक है जिन्होंने जनमेजय के नागयज्ञ के समय नागों की रक्षा की थी। पाँच फन वाले वासुकी देवता के भारत भूमि में अनेक मन्दिर है जिनमें प्रयागराज के मन्दिर का विशेष महत्व है। इनके मन्त्र का जाप सुरक्षा एवं शक्ति का प्रतीक माना गया है जो इस प्रकार है –'तन्नो वासुक प्रचोदयात ओ सर्प राजय विद्महे, पद्म हस्तय धीमहि तन्नो वासुकी प्रचोदयात' नौ नागों के स्मरण में भी इनकी स्तुति की जाती है। अनंत नाग, वासुकि नाग, शेषनाग, पद्मनाभ नाग, कंबल नाग, शंखपाल नाग, धार्तराष्ट्र नाग, तक्षक नाग और कालिया नाग इन नौ नागों के नामों में भी इनकी वंदना है।

संपादकीय

हमारा जाता क्या है?

हर वर्ष उच्च पद पर विराजे लोगों के नये–नये कांड व घोटाले उजागर होते हैं। करोड़ों रूपये जनता के डकार लिए जाते हैं फिर भी न्यायालय में कोई नहीं मानता व स्वयं को निरपराधी सिद्घ करने में ही लगे रहते हैं। शपथ शब्द उनके लिए मजाक बनकर रह गया है। रामायण में महर्षि वाल्मीकि ने लिखा है कि प्रतिज्ञा का हमें पालन करना चाहिए। भागवत में कहा है जो व्यक्ति अपनी प्रतिज्ञा पूरी नहीं करता वह असभ्य है। नीति शतक में भतृहरि ने कहा–सत्यव्रत का पालन करने वाला तेजस्वी पुरूष सुखपूर्वक प्राण त्याग कर देता है पर अपनी प्रतिज्ञा को नहीं छोड़ता। दिया गया वचन प्रतिज्ञा के समान होता है। लाखों करोड़ों का सौदा जुबानों पर होता है अगर मुकर जायें तो विश्सनीयता बचेगी ही कहां? वचन भुलाने वाला व्यक्ति अधम माना जाता है उसके लिए सभ्यता संस्कृति धर्म एवं कर्म सब फालतू है। महात्मा गांधी सत्य प्रतिज्ञ थे। उन्होंने कहा है– प्रतिज्ञा विहीन जीवन ईंट के बिना घर जैसा है। सारा संसार ही सत्य व प्रतिज्ञा पर टिका है। प्रतिज्ञा न लेने का अर्थ होगा अनिश्चितता व डांवाडोल स्थिति। नियम व कानून का पालन करने में हमें सदा मजबूत रहना चाहिए। हमें शपथ व प्रतिज्ञा पर विश्वास होना चाहिए। यह कार्य सुदृढ़ चरित्रवाला समर्थ पुरूष ही कर सकता है उसे सब इज्जत देते हैं। प्रतिज्ञा का पालन करना शक्तिवानों का गुण ही माना जाता है।

भारत में न्याय प्रक्रिया बहुत दुरूह जटिल व ढीली-ढाली है। कोई भी केस शीघ्र नहीं निपटता। कई केसों में वर्षो लग जाते हैं। प्रश्न यह है कि क्या लोग न्यायपालिका में शपथ लेकर सच बोलते हैं और सत्य का पालन करते हैं?

भारत में न्याय प्रक्रिया

गुलाबचन्द कोटड़िया।।

हमारे देश में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, सेना,सरकारी विभागों सहित अस्पतालों में भी पूर्ण ईमानदारी व प्रतिबद्घता की शपथ दिलाई जाती है। न्यायालयों में कटघरे में खड़े होकर बयान देने वाले हर गवाह से उसके धार्मिक ग्रन्थ पर हाथ रखवाकर शपथ दिलाई जाती है तो राजनीति में भी हर एक चुनाव जीतने वाले को सत्य और निष्ठा की शपथ लेना पड़ती है। प्रश्न यह है कि क्या लोग ऐसी शपथ लेकर सच बोलते हैं और सत्य का पालन करते हैं? जब शपथ को हम नहीं निभाते हैं तो उसका कितना औचित्य है यह एक विचारणीय विषय हो गया है। क्योंकि अगर इस शपथ का पालन होता तो देश में इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं फैल पाता।

न्यायालय में भी पुलिस के समक्ष दिए गए बयानों से मुकर जाना एक आम बात है। हत्या व संगीन अपराधों में भी गवाह बार–बार बयान बदलते हैं। गवाह कह देते हैं कि पुलिस ने डरा धमकाकर उससे दस्तखत करवा दिए। इस तरह से अपराधी गुनाह करके साफ बच निकलते हैं। पैसा व प्रभाव दोनों इसमें काम करते हैं। इतना सब होते हुए भी हम अपने धर्म, पूजन, वंदन, तीर्थयात्रा, सूर्य आराधना व सांध्य वंदन करते हैं वह भी अटूट आस्था व श्रद्घा के

साथ। धर्मगुरूओं का प्रवचन सुनते हैं ताकि हमारे मन का कलुष व पाप धुल जाये। सब जानते बूझते हुए भी असत्य बोलने में कोई हिचकता नहीं है। अगर झूठ से स्वार्थ सधता है जो हम खुश होते हैं कि चलो छका दिया और मन में गौरव अनुभव करते हैं पर मन से चोरी छिपी नहीं रहती।

शपथ के लिए और भी कई शब्द हैं– सौगंध, कसम, कौल व प्रतिज्ञा वगैरह। प्राचीन संदर्भों में प्रतिज्ञा शब्द अधिक प्रचलित है। प्रतिज्ञा शब्द का बखान हमें ग्रन्थों में खूब मिलता है। शपथ शब्द जुबान पर ज्यादा चढ़ता नहीं है। प्रतिज्ञा का महत्व इसी से जाना जा सकता है कि यह हमारी संस्कृति का आधार मानी जाती है।

भीष्म ने अपने पिता के वचन को प्रतिष्ठित करने की प्रतिज्ञा की थी कि वे आजन्म ब्रह्मचारी रहेंगे व सिंहासन पर अपना अधिकार नहीं जताएंगे। सौतेली मां सत्यवती के पुत्रों को ही उस पर बिठायेंगे और यह उन्होंने किया भी। निषाद कन्या ने उनके पिता से वचन ले लिया था। उसी तरह राम ने पिता का वचन झूठा न जाए इसलिए 14 वर्ष वनगमन स्वेच्छा से स्वीकार कर लिया था। यह हमारी प्राचीन संस्कृति की विरासत है कि प्रतिज्ञा की है तो निभायें। रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई। हम वचन देते हैं तो हमारा कर्तव्य बन जाता है कि उसका पालन करें वरना हम अविश्वास के पात्र बन जायेंगे, कोई हमारा भरोसा क्यों करेगा?

भारत में न्याय प्रक्रिया बहुत दुरूह जटिल व ढीली–ढाली है। कोई भी केस शीघ्र नहीं निपटता। कई केसों में वर्षों लग जाते हैं अगर चालाक वादी या प्रतिवादी हो तो वह आजीवन लड़ सकता है और उस समय के दौरान उसकी आयु क्षय हो जाती है तो उसके बच्चे वही काम संभाल लेते हैं। ऐसे केसों में शपथ का मूल्य ही क्या है?

भारत में शपथ या प्रतिज्ञा जो उच्च शास्त्रीय शब्द हो गया है का भले ही विधि सम्पन्न होते हुए भी हम निरादर करते हों परंतु पश्चिमी देशों में धर्मग्रन्थों पर हाथ रखकर अगर शपथ लेते हैं तो वे सत्य कथन ही करते हैं। यह नैतिक बल उनमें है कि गलती कर दी है, पकड़ ली गई है तो मान लेते हैं। भारत में तो कोई मानता ही नहीं है जब तक सरकार सुबूतों के द्वारा सिद्घ न कर दे, फिर भी उससे इंकार ही करते रहेंगे।

अष्टयोग-4904

6	1	4		2		
5	35	3	27	1	28	7
7		5			6	
	31		37	7	34	
	3	6		5	2	4
2	27		41	4	29	
4		7		6		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4903 का हल

4	1	5	6	2	7	3
6	35	6	30	1	32	7
7	5	1	3	6	4	2
1	29	2	31	4	31	5
2	4	7	5	3	6	1
3	29	4	40	5	34	6
5	1	3	6	7	2	4

Jagrutidaar.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

क्षमा मांगनी पड़ी

मोहन। बिल क्लिंटन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने बाइबल पर हाथ रखकर झूठ बोला तो उन्हें पूरे राष्ट्र से क्षमा मांगनी पड़ी। इंग्लैंड के प्रसिद्घ साहित्यकार जेफ्री आर्थर भी अगर धर्मग्रन्थ पर हाथ रखकर झूठ बोलता है तो जनता का धिक्कार ही पाता है। आर्थर को झूठी शपथ के अपराध में 4 साल की कैद भुगतनी पड़ी थी। कई मंत्रियों व उच्च पद पर आसीन महानुभावों को अपमान सहन करना पड़ा है। भारत में शपथ शब्द के प्रति प्रतिबद्घता नहीं दिखती। बात–बात पर बोलचाल में सौगंध खाने लगते हैं। असत्य बोलना जैसे आम बात हो गई है। सरकारी कामों व कार्यालयों में झूठ का चक्कर ही चलता है। झूठ के आधार पर नैतिक इमारत खड़ी नहीं रह सकती। जब तक चले चला लो पकड़े जायेंगे, तब देख लेंगे। शपथ खाने में दो होंठ ही इकट्ठे करने पड़ते हैं। पूरे विश्व में भारतीय प्रतिज्ञाओं के प्रति आदरसूचक भावनाएं होती हैं। प्रतिज्ञाओं की बात आती है तो सर्वाधिक भीष्म प्रतिज्ञा शब्द हमारे मस्तिष्क में आता है।

ईशा मालवीय ने मराठी मुलगी बनकर उड़ाए लोगों के होश

टीवी की जानी–मानी एक्ट्रेस ईशा मालवीय अक्सर अपनी अदाओं से फैंस को घायल करती रहती हैं। उनके चाहने वाली उनके हर एक वीडियो पर भर–भरके प्यार बरसाते हैं। ईशा किसी भी अवतार में लोगों का दिल जीत ही लेती हैं जैसा कि उन्होंने हाल ही में किया। ईशा मालवीय ने मराठी मुलगी बनकर हर किसी का दिल चुरा लिया। उन्होंने पीले रंग की साड़ी पहनकर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो डांस भी कर रही हैं। नाक में मराठी नथ पहने हुए ईशा बेहद प्यारी लग रही हैं। उनके डांस से ज्यादा लुक की तारीफ हो रही है। ईशा ने पीले रंग की साड़ी पहने हुए, नाक में मराठी लुक वाला नथ डाला है और अपने कमरे में डांस कर रही हैं। वो मराठी गाने पर ही डांस भी कर रही हैं। ईशा की अदाएं देखकर हर कोई उनपर प्यार की बरसात कर रहा है। उनके फैंस ने कमेंट सेक्शन में खूब प्यार उड़ेला है और ईशा की तारीफ की है। इससे पहले महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर ईशा मालवीय ने आशीर्वाद लेने और प्रार्थना करने के लिए मुंबई के एक शिव मंदिर का दौरा किया। एक्ट्रेस को पारंपरिक हवन करते हुए देखा गया, जो भक्ति और दिव्य मार्गदर्शन की मांग का प्रतीक है। महाशिवरात्रि भगवान शिव को समर्पित एक हिंदू त्योहार है, जिसे पूरे देश में उपवास, प्रार्थना और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जाता है। इंडस्ट्री में धूम मचाने वाली ईशा ने अपने करियर में एक नया चौप्टर शुरू करने के लिए आध्यात्मिक रूप से जुड़ने के लिए इस दिन को चुना।

मुझे बंदूक की नोक पर पकड़ा, हथकड़ी लगा दी

सुनील शेट्टी ने उस घटना को याद किया जब 9/11 के ठीक बाद लॉस एंजेलिस में पुलिस ने उन्हें बंदूक की नोक पर पकड़ लिया था। एक्टर के मुताबिक, जब यह घटना घटी तब वह अपने होटल में थे और उन्हें घुटनों के बल बैठना पड़ा और हथकड़ी भी लगायी गई थी। सुनील शेट्टी बोले, मुझे बंदूक की नोक पर घुटनों के बल बिठा लिया क्योंकि मेरी दाढ़ी थी। हमने कुछ दिन शूटिंग की और फिर होटल जा रहा था। मैं लिफ्ट में था और अपनी चाबी भूल गया था। तो वहां लिफ्ट में एक अमेरिकी था। वो मुझे देखता रहा और मैंने उससे पूछा कि तुम्हारे पास चाबी है? क्योंकि मैं अपनी चाबी भूल गया हूं और मेरा स्टाफ बाहर गया है। सुनील शेट्टी ने आगे बताया, श्वह भागा और हल्ला मचा दिया। पुलिसवाले बंदूक लेकर आ गए और मुझसे कहा घुटनों के बल बैठो, नहीं तो गोली मार देंगे। सुनील शेट्टी ने फिर कहा, मैं बुरी तरह शॉक में था और घुटनों के बल बैठा था। मुझे पता नहीं था कि क्या हो रहा है। इसलिए घुटनों पर बैठना पड़ा। उन्होंने मुझे हथकड़ी लगा दी। तब प्रोडक्शन क्रू ने आकर दखल दिया।

अमिताभ के नाती अगस्त्य नंदा ने आदर जैन की शादी में किया झूमकर डांस

कुछ दिन पहले ही आदर जैन और आलेखा आडवाणी की शादी हुई है और उनकी भव्य शादी में पूरा कपूर खानदान शामिल हुआ था। इसमें शाहरुख खान, गौरी खान और उनकी बेटी सुहाना खान भी मौजूद थीं। इस बीच, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी शादी में पहुंचे और लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। अब फंक्शन के एक इनसाइड वीडियो में अगस्त्य खुशी से झूमते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि उनकी श्द आर्चीजश की को–स्टार सुहाना खान शादी में लोगों से बातचीत करती नजर आईं। अगस्त्य नंदा के फैन पेज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वो डांस कर रहे हैं। इसमें अगस्त्य खुशी से नाचते और जश्न मनाते हुए दिखाई दे रहे हैं और बैकग्राउंड में संगीत बज रहा है। इस बीच, सुहाना खान भी पास में खड़ी थीं और जब कोई उनके पास आया, तो उन्होंने उन्हें गले लगाकर स्वागत किया। नीचे दिया गया वीडियो देखें! अगस्त्य नंदा ने आदर जैन और आलेखा आडवाणी की शादी में शाही अंदाज में शिरकत की। उन्होंने आइवरी और ग्रे रंग का बंदगला सेट पहना हुआ था। पारंपरिक ड्रेस बेहतरीन थी और मैचिंग मोजरी ने उनके लुक को और भी निखार दिया। इस बीच, सुहाना खान तोरानी के कढ़ाई वाले आइवरी लहंगे में परी जैसी लग रही थीं।

कंगना रनौत और जावेद अख्तर की लड़ाई खत्म

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

आखिरकार कंगना रनौत और जावेद अख्तर के बीच लंबे समय से चली आ रही कानूनी लड़ाई खत्म हो गई है। कंगना ने साल 2020 में जावेद अख्तर पर मानहानि का केस किया था, और तभी से उनके बीच जंग जारी थी। लेकिन अब मामला सुलझ गया है, और एक्ट्रेस के मुताबिक, जावेद अख्तर उनकी अगली फिल्म के लिए गाने लिखने के लिए भी राजी हो गए हैं। कंगना ने जावेद अख्तर के साथ इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की। दोनों कोर्ट में खड़े नजर आ रहे हैं, और हंसते हुए कैमरे को पोज दे रहे हैं। साथ में कंगना ने लिखा, आज जावेद जी और मैंने हमारे कानूनी मामले (मानहानि केस) को आपसी सहमति से सुलझा लिया है।

जावेद जी गाने लिखने के लिए सहमत

कंगना ने आगे लिखा, जावेद जी बहुत दयालु और शालीन रहे हैं। वह मेरे निर्देशन में बनने वाली अगली फिल्म के लिए गाने लिखने के लिए भी सहमत हो गए हैं।

क्या था कंगना रनौत और जावेद अख्तर का विवाद?

मालूम हो कि जावेद अख्तर और कंगना रनौत के बीच साल 2016 में विवाद शुरू हुआ था। उस वक्त कंगना रनौत और ऋतिक रोशन का मुद्दा चल रहा था और उनके ईमेल सुर्खियां बटोर रहे थे। चूंकि, जावेद अख्तर, ऋतिक रोशन के परिवार के करीबी हैं, इसलिए तब उन्होंने कंगना को अपने घर बुलाया था। उन्होंने कंगना से कहा था कि वो ऋतिक से माफी मांग लें।

कंगना ने जावेद अख्तर पर लगाए थे ये आरोप

कंगना ने उस वक्त तो इस बारे में कोई बात नहीं की। लेकिन साल 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद कंगना ने कई बॉलीवुड सेलेब्स पर गंभीर आरोप लगाए। उसी दौरान उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में जावेद अख्तर वाली बात को उठाया। कंगना ने आरोप लगाया कि जावेद अख्तर ने उन्हें घर बुलाकर धमकी दी थी कि अगर उन्होंने ऋतिक को तंग किया तो वह छोड़ेंगे नहीं।

जावेद अख्तर ने किया मानहानि का केस

इससे नाराज जावेद अख्तर ने कंगना के खिलाफ मानहानि का केस कर दिया था। इसकी जवाबी कार्यवाही में कंगना ने भी जावेद अख्तर पर मानहानि का केस दायर कर दिया था। जहां बाद में कोर्ट ने कंगना रनौत के केस को कमजोर बताते हुए रद्द कर दिया था, वहीं जावेद अख्तर द्वारा दायर मानहानि केस का मामला चलता रहा। पर अब दोनों ने आपस में सुलह कर ली है।

धर्मेंद्र ने हिना खान को किया वीडियो कॉल तो भावुक हो गईं एक्ट्रेस

हिना खान उस वक्त खुशी से उछल पड़ीं और भावुक हो गईं जब धर्मेंद्र ने वीडियो कॉल किया। धर्मेंद्र ने कैंसर से जूझ रहीं हिना की हिम्मत की तारीफ की और हौसला बढ़ाया। हिना ने फैंस के साथ यह न्यूज शेयर की और कहा कि वह धरम अंकल से मिलने जाएंगी।

हिना खान ने जब साल 2014 में ब्रेस्ट कैंसर की खबर दी थी, तो फैंस को बड़ा झटका लगा था। खुद एक्ट्रेस भी इससे टूट गई थीं, पर उन्होंने खुद को किसी तरह संभाले रखा। तब से हिना ने हंसते–हंसते कैंसर की लड़ाई लड़ी और आखिरकार अब उनकी कीमो और सर्जरी पूरी हो चुकी है। लेकिन हिना का उस वक्त खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब ही मैन धर्मेंद्र ने उन्हें वीडियो कॉल किया, और एक्ट्रेस के हौसले की तारीफ की। यह हिना के लिए भावुक कर देने वाला पल था। हिना खान ने यह गुड न्यूज फैंस के साथ शेयर की, और अपनी खुशी भी जाहिर की। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर धर्मेंद्र के साथ वीडियो कॉल का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसमें धर्मेंद्र हंसते हुए हिना से बात करते दिखे।

हिना खान को धर्मेंद्र का वीडियो कॉल, एक्ट्रेस का भावुक पोस्ट

तस्वीर शेयर कर हिना ने लिखा, जब इंडिया का ओजी सुपरमैन आपकी ताकत और सफर की तारीफ करता है, और आपको अपना आशीर्वाद देता है। मुझे वीडियो कॉल करने के लिए धन्यवाद, धरम अंकल। मैं जल्द ही आपसे मिलने आ रही हूं। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं।

हिना खान पर लगे पब्लिसिटी के आरोप, झुकी नहीं एक्ट्रेस

फैंस हिना खान पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और हौसला दे रहे हैं। वो एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं कि किस तरह उन्होंने तीसरे स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से लड़ाई लड़ी। इस दौरान हिना खान को कुछ लोगों ने ट्रोल किया और उन पर पब्लिसिटी स्टंट का आरोप भी लगाया, पर हिना ने किसी भी तरह की नेगेटिविटी को खुद पर हावी नहीं होने दिया।

हिना खान की चल रही है इम्यूनोथेरेपी

वहीं हिना खान जब हाल ही बिग इम्पैक्ट अवॉर्ड्स में शामिल हुईं, तो वहां अपनी हेल्थ अपडेट दी। उन्होंने फैंस को बताया कि उनकी सारी कीमो खत्म हो गई हैं और सर्जरी भी। अभी उनका दूसरा ट्रीटमेंट चल रहा है। हिना ने बताया कि वह अभी इम्यूनोथेरेपी ले रही हैं और सब ठीक चल रहा है।

बचा सकता है देसी नुस्खा, चाय की जगह शुरू करें पीना

खाने में ताकत, पोषण और ऊर्जा होती है। लेकिन अगर यह ढंग से पच न पाए तो टॉक्सिन बनाता है। शरीर में इनके इकट्ठा होने से काफी दिक्कतें हो सकती हैं। अगर आप बचना चाहते हैं तो इस देसी नुस्खे का उपयोग करें।

खाने में फल, हरी सब्जी, साबुत अनाज, दूध, नट्स आदि का सेवन करना चाहिए। इनके अंदर प्रोटीन, ओमेगा फैटी एसिड, विटामिन, जिंक, कैल्शियम जैसे ताकतवर न्यूट्रिएंट होते हैं। यह शरीर को हेल्दी रखते हैं और सेल्स के लिए जरूरी एनर्जी देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपका खाना ही आपको बीमार भी बना सकता है। इसके बारे में आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉक्टर रोबिन शर्मा ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि खाना ही बीमारी की वजह बन सकता है। अगर पाचन तंत्र सही प्रकार से काम ना कर रहा हो तो हम जो कुछ भी खाते हैं वो शरीर में आम दोष यानी टॉक्सिन बनकर इकट्ठा होने लगता है।

पेट की खराबी

डॉक्टर का कहना है कि अगर यह टॉक्सिन हमारे पाचन तंत्र में रुक जाएं तो आईबीएस, आईबीडी जैसी समस्या को उत्पन्न करते हैं। आईबीएस को इर्रिटेबल बावल सिंड्रोम और आईबीडी को इर्रिटेबल बावल डिजीज कहा जाता है।

सोने से पहले भिगोएं ये चीजें

- 15–20 किशमिश
- आधा छोटा चम्मच गिलोय पाउडर
- आधा छोटा चम्मच सोंठ पाउडर
- 2–4 काली मिर्च
- चुटकी भर पिप्पली चूर्ण

कैसे करें उपाय

- सोने से पहले ये 5 चीजें 1 गिलास पानी में भिगोना ना भूलें।
- अब सुबह इन सभी चीजों को धीमी आंच के ऊपर पकाएं।
- जब पानी आधा कप के बराबर रह जाए तो चाय की जगह पीएं।
- डॉक्टर का कहना है कि 30 दिनों में इसका लाभ मिलने लगेगा।
- आपका पाचन, स्किन हेल्थ, बोन हेल्थ और एनर्जी में सुधार दिखने लगेगा।

इन दिक्कतों का भी खतरा

अगर यह खून में फैल जाएं तो स्किन प्रॉब्लम का कारण बनते हैं। अगर जोड़ों में जमा हो जाएं तो आर्थराइटिस जैसी समस्या को पैदा करते हैं। अगर किसी तरह यूट्रस में पहुंच जाएं तो पीसीओडी, पीसीओएस और फर्टिलिटी से संबंधित परेशानी बना देते हैं।

हाई बीपी से बचने के लिए सफेद नमक छोड़ देते हैं लोग

डॉक्टर अक्षत ने कहा कि अगर आपकी थायरॉइड रिपोर्ट में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है और खासतौर से अगर टीएसएच 5 से 10 के बीच है तो अपने डॉक्टर से रिक्वेस्ट करें कि अचानक दवा शुरू करने से पहले नमक में बदलाव कर सकते हैं या नहीं। इसके 6 हफ्ते बाद दोबारा से जांच करवाकर सही सलाह लें। हालांकि अगर आप प्रेग्नेंट हैं तो डॉक्टर की सलाह से ही चलें।
अगर कोई गर्भवती है या प्रेगनेंसी प्लान कर रही है और उसके डॉक्टर ने उसे थायरोक्सिन दे रखी है तो उसे इसे लेना चाहिए। क्योंकि यह बिल्कुल अलग स्थिति है। लेकिन इसके साथ नमक को फिर से सफेद आयोडीन वाले नमक में भी बदल लें। उन्होंने इस जानकारी को केवल नमक में बदलाव के कारण हॉर्मोन में होने वाले परिवर्तन के लिए बताया है। अगर आपके टीएसएच हॉर्मोन में असामान्य बढ़ोतरी दिख रही है और लाइफस्टाइल के दूसरे फैक्टर पहले जैसे हैं और साथ लंबे वक्त से थायरोक्सिन भी ले रहे हैं, तो खाना पकाने के लिए सफेद आयोडीन युक्त नमक का उपयोग भी करें। दवा खाना अचानक बंद न करें। एक बार फिर से जांच करवाएं और फिर आगे की प्लानिंग अपने डॉक्टर से परामर्श करके करें। डॉक्टर का कहना है कि पिंक सॉल्ट जैसे नमक में अच्छे ट्रेस खनिज होते हैं लेकिन किसी में भी पर्याप्त आयोडीन नहीं होता है। सफेद नमक में भी यह नहीं था, लेकिन फोर्टिफिकेशन की मदद से इसे मिलाया गया है। नमक से होने वाले नुकसानों से बचने के लिए खाना बनाते समय नमक कम रखें और इसके प्रकार में बदलाव ना करें।

एल्कलाइन पानी, जानें क्यों नॉर्मल पानी से है अलग और क्या हैं फायदे

एल्कलाइन वाटर किसी भी नॉर्मल पानी की बोतल से महंगा मिलता है। लेकिन आखिर विराट कोहली नॉर्मल पानी के बजाय इस पानी का सेवन क्यों करते हैं। इसकी खासियत क्या है, चलिए जानते हैं इस बारे में। कई लोगों को लगता है कि एल्कलाइन वाटर भी टैप वाटर की तरह होता है। लेकिन अगर आप ऐसा समझ रहे हैं तो ये गलत है, क्योंकि जिस पानी का सेवन विराट कोहली करते हैं वह सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित होता है। क्योंकि इसमें एल्कलाइन मिनरल्स होते हैं और इसका पीएच लेवल सामान्य पानी से ज्यादा होता है। एल्कलाइन वाटर का पीएच सादे नल के पानी की तुलना में अधिक होता है। कुछ स्टडीज से पता चलता है कि एल्कलाइन पानी हड्डियों के नुकसान को धीमा करने में मदद कर सकता है। कुछ अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि क्षारीय पानी और पौधे–आधारित भूमध्यसागरीय शैली का आहार एसिड रिफ्लक्स से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। एल्कलाइन वाटर पीने से बॉडी डिटॉक्स रहती है और यह कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। यह कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने, पाचन क्षमता बढ़ाने, एसिडिटी और पेट जलन से राहत दिलाने में मदद करता है।

क्या है खसरा? जिसने अमेरिका में फैलाया है डर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इन्फ्लूएंजा, बर्ड फ्लू के बाद अब अमेरिका में एक और बीमारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। साथ ही इस बीमारी के चलते वेस्ट टेक्सास में एक बच्चे की मौत भी दर्ज की गई है, जिसने स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। हम बात कर रहे हैं खसरा की, जिसे इंग्लिश में हम मीसल्स के नाम से जानते हैं।खबरों के मुताबिक, इस वक्त संयुक्त राज्य अमेरिका के टेक्सास में खसरे के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इस बीच पश्चिमी टेक्सास में एक बच्चे की खसरे से मौत हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एक दशक में यह इस अत्यंत संक्रामक बीमारी से पहली अमेरिकी मौत है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जिस बच्चे की खसरा से मौत हुई है, उसे बीमारी के खिलाफ वैक्सीन नहीं लगाई गई थी।बता दें अमेरिका में हर साल खसरे का मामूली प्रकोप देखा जाता है, लेकिन इस साल का प्रकोप छह वर्षों में सबसे बड़ा होने की राह पर है। फिलहाल अमेरिका के आठ राज्यों में 130 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। आइए जानते हैं क्या है खसरा, इसके लक्षण और इलाज के बारे में।

क्या होता है खसरा?

डमकंदजं के मुताबिक, मीसल्स यानी खसरा एक वायरल संक्रमण है, जो रूबेला वायरस के कारण होता है। यह विश्व के सबसे संक्रामक रोगों में से एक है। इसमें संक्रमित व्यक्ति में बहती नाक, खांसी, लाल आंखें, और तेज बुखार जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। ये सभी लक्षण वायरस के संपर्क में आने के लगभग 8 दिनों के बाद शुरू हो सकते हैं। यूएस सीडीसी ने बताया कि खसरे का टीका आने से पहले, संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल अनुमानित 48,000 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया जाता था और 400–500 लोगों की इस बीमारी की वजह से मौत हो जाती थी।

खसरा का खतरा किसे सबसे अधिक होता है?

वैसे तो किसी भी उम्र का व्यक्ति खसरा से संक्रमित हो सकता है, लेकिन 12 महीने से कम उम्र के बच्चों को खसरे का सबसे अधिक खतरा होता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह छोटे बच्चों और शिशुओं में बेहद खतरनाक चिकित्सीय स्थिति उत्पन्न कर सकती है। चूंकि ये एक संक्रामक बीमारी है, इसलिए संक्रमित व्यक्ति के आस–पास के लोगों के भी इससे संक्रमित होने की संभावना 90 फीसदी तक हो जाती है। अगर वो लोग खतरा से इम्यून नहीं हैं।

कैसे फैलती है ये बीमारी

मीसल्स दुनिया के सबसे संक्रामक रोगों में से एक है। यह एक तरह की छूत बीमारी मानी जाती है, जो निम्न कारणों से फैल सकती है–संक्रमित व्यक्ति के साथ भोजन या पेय पदार्थ साझा करने से, संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से, किसी संक्रमित व्यक्ति के म्यूकोसल स्राव से संक्रमित सतह या वस्तु से संपर्क में आने से मरीज से हाथ मिलाने या हाथ पकड़ने से, प्रसव, नर्सिंग, या गर्भावस्था के दौरान मां से बच्चे को फैल सकता है, बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति के खांसने, छींकने या बात करने पर दूषित एयरोसोल के संपर्क में आने से यह फैल सकता है।

खसरा के लक्षण

अगर कोई व्यक्ति इस संक्रामक रोग से संक्रमित हो जाता है तो उसमें निम्न लक्षण नजर आ सकते हैं–तेज बुखार, बहती नाक और गले में खराश, मांसपेशियों में दर्द, मुंह में सफेद धब्बे, एक लाल रैश जो सिर से नीचे की तरफ फैलता है, तेज प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, पेट दर्द या दस्त, उल्टी, थकान और बेचैनी महसूस होना।

खसरा का इलाज

फिलहाल अभी तक खसरे का कोई सटीक इलाज नहीं खोजा गया है। लेकिन आप कुछ उपाय के जरिए इसके लक्षणों को मैनेज कर सकते हैं। जैसे कि–सबसे जरूरी है कि आप रोजाना पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लें और हाइड्रेट रहने पर जोर दें। इसके लिए आप पानी के अलावा जूस, सूप, और दूध ले सकते हैं। इसके अलावा भरपूर नींद लें और आराम करें। खसरे के दौरान सॉफ्ट फूड्स ही खाएं, ऐसे चीजों के सेवन से बचें, जिन्हें चबाने में मुश्किल महसूस हो। इसके अलावा डॉक्टर के परामर्श से दवाएं ले सकते हैं।

मसल्स बढ़ाने के लिए डाइट में शामिल करें ये फल, जल्दी पच सकता है प्रोटीन

प्रोटीन का पाचन बढ़ाने के लिए गट बैक्टीरिया जरूरी हैं। यह खाने से न्यूट्रिएंट निकालकर शरीर के इस्तेमाल लायक बनाते हैं। डाइटिशियन लवलीन कौर ने इसका अवशोषण बढ़ाने के लिए 3 फल खाने की सलाह दी है। डाइटिशियन लवलीन के मुताबिक मसल्स ग्रोथ या बॉडी बिल्डिंग की बात हो तो सबसे पहले प्रोटीन नाम के मैक्रोन्यूट्रिएंट की बात की जाती है। लेकिन आप जितना मर्जी प्रोटीन खा लो, मगर जबतक गट में गुड बैक्टीरिया नहीं होंगे इसे लेने का फायदा नहीं होगा। ये प्रोटीन सिंथेसिस करके इसका अवशोषण करने में मदद करते हैं। एक्सपर्ट के अनुसार सेब के छिलके में अरसोलिक एसिड होता है। यह मसल्स एट्रोफी को इन्हिबिट करता है यानी मसल्स ब्रेकडाउन नहीं होने देता। यह प्रोटीन सिंथेसिस करने में मदद करता है और मसल्स बढ़ाता है। जब हम अनार खाते हैं तो गट बैक्टीरिया यूरोलिथिन ए नाम का मजबूत कंपाउंड बनाते हैं। यह मसल्स ग्रोथ और विकास में मदद करता है। यह खून की कमी भी दूर कर सकता है। पपीते के अंदर पैपेन नाम का एंजाइम होता है, जो प्रोटीन के बेहतर ब्रेकडाउन और अवशोषण में मदद करता है। इन तीनों फलों को डेली डाइट में जरूर शामिल करें।

आंकड़ों में सर्वश्रेष्ठ हैं विराट

आंकड़ों की बात करें तो विराट कोहली वनडे में इतने मैचों के बाद सर्वश्रेष्ठ हैं। 100 अंतरराष्ट्रीय शतक का महारिकार्ड बनाने वाले सचिन तेंदुलकर भी विराट से पीछे हैं। सचिन ने 299 वनडे मैचों के बाद 44.20 के औसत से 11537 रन बनाए थे। उनका सर्वोच्च स्कोर 186′ रन था। सचिन ने तब 33 शतक और 56 अर्धशतक लगाए थे।

विराट न्यूजीलैंड के विरुद्ध खेलेंगे 300वां वनडे मैच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। पाकिस्तान के विरुद्ध वनडे करियर का 51वां शतक जड़कर भारतीय टीम को जिताने वाले दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली ने चौंपियंस ट्राफी की शानदार शुरुआत कर दी है। वनडे क्रिकेट के सबसे सफल क्रिकेटरों में शुमार भारतीय दिग्गज बल्लेबाज आज न्यूजीलैंड के विरुद्ध उतरेंगे तो एक और मील का पत्थर वह प्राप्त कर लेंगे। यह विराट का 300वां वनडे मुकाबला होगा, और फार्म में चल रहे कोहली इस अवसर पर एक बार फिर अपने बल्ले से एक नया कीर्तिमान रचने का प्रयास करेंगे। कोहली से पहले अब तक विश्व के केवल 21 क्रिकेटर ही 300 वनडे मैच खेल सके हैं। वनडे में विराट 300 वनडे मैच खेलने वाले सातवें भारतीय होंगे। उनसे पहले छह भारतीय 300 वनडे खेल चुके हैं। इनमें सचिन तेंदुलकर, एमएस धौनी, राहुल द्रविड़, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सौरव गांगुली और युवराज सिंह शामिल हैं। विराट के वनडे करियर की बात करें तो कोहली ने अब तक खेले 299 वनडे मैचों में 58.20 के औसत से 14085 रन बनाए हैं। इनमें 51 शतक और 73 अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 93.41 रहा है। उनका सर्वोच्च स्कोर 183 रन है। विराट कोहली को वनडे में बेहतर बनाने में लक्ष्य का पीछा करते हुए उनका रिकार्ड भी है।

मैं झूठ नहीं बोलूंगा, पंत के साथ प्रतिस्पर्धा तो है ही

क्रिकेट

केएल राहुल ने ऋषभ पंत को लेकर दिया बड़ा बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के अपने आखिरी मुकाबले में भिड़ने वाली है। इस मैच से पहले टीम इंडिया ने पूरी तैयारियां कर ली हैं। टीम भले ही अबतक टूर्नामेंट में एक भी मैच ना हारी हो, लेकिन टीम इंडिया में बदलाव की संभावना हमेशा बनी रहती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बेंच पर जो खिलाड़ी अपने मौके का इंतजार करते हैं वे भी तगड़े हैं। ऐसे ही एक खिलाड़ी ऋषभ पंत हैं। पंत को लंबे समय से प्लेइंग 11 में मौका नहीं मिला है और ऐसे में केएल राहुल के ऊपर भी खासा दवाब रहता है।

केएल राहुल ने हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऋषभ पंत को लेकर पूछा गया। पंत से टक्कर पर केएल राहुल ने कहा कि उनके ऊपर प्रदर्शन का दवाब तो रहता ही है। राहुल ने कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगा, पंत के साथ

प्रतिस्पर्धा तो है ही। पंत एक बेहतरीन क्रिकेटर हैं और उन्होंने पहले दिखाया है कि वह क्या कर सकते हैं। पंत एग्रेशन के साथ खेलते हैं और उनके पास मैच को अपने दम पर बदलने का दम है। इसलिए कोच और कप्तान के मन में हमेशा यह विचार रहता है कि मुझे टीम में रखें या पंत को।

राहुल ने आगे कहा कि मुझे मौका मिलेगा तो मैं कोशिश करुंगा कि अपना बेस्ट दे सकूं। मैं पंत के साथ प्रतिस्पर्धा की कोशिश नहीं करता। वह किसी और की तरह खेलने की कोशिश नहीं करता। टीम में हर कोई इत्मीनान से है और संतुलित है। हर कोई अगले मैच के बारे में सोच रहा है, सेमीफाइनल के बारे में नहीं। हम मैच दर मैच सोच रहे हैं ।'

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और वॉशिंगटन सुंदर अभी तक एक भी मैच नहीं खेले हैं। क्या आखिरी लीग मैच में उन्हें उतारा जा सकता है। यह पूछने पर राहुल ने कहा, 'मैं नेतृत्व समूह का हिस्सा नहीं हूं लेकिन मुझे यकीन है कि इसका लालच तो होगा। मैं इस स्थिति में पहले रहा हूं जब आपके पास खिलाड़ियों को आजमाने का मौका होता है।

राहुल ने कहा, यह मेरी पहली चैंपियंस ट्रॉफी है और मुझे लगता है कि सब कुछ बहुत जल्दी होता है। यह विश्व कप की तरह नहीं है कि धीमी शुरुआत करने पर भी वापसी का अवसर है। इसमें शुरू ही से अच्छा खेलना होता है। किसी मैच को आसान या किसी टीम को कमतर नहीं कहा जा सकता। न्यूजीलैंड हमेशा से बेहद मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम रही है।

वनडे में किसका पलड़ा रहा है भारी? भारत-न्यूजीलैंड का हेड टू हेड रिकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन अब तक आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में सातवें आसमान पर रहा है। टीम इंडिया ने बांग्लादेश और पाकिस्तान को 6–6 विकेट से धूल चटाकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। हालांकि उससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 मार्च को आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबले में भिड़ना है। यह मैच दोनों ही टीमों के लिए ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि दोनों ही टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं।

लेकिन भारतीय टीम या न्यूजीलैंड में से जो भी यह मुकाबला जीतेगा, वह अपने ग्रुप में शीर्ष पर आ जाएगा। तो यह नंबर 1 और 2 की लड़ाई होने वाली है। हो सकता है कि दोनों टीमों

■ आज होगा दुबई में भारत–न्यूजीलैंड का मैच

की प्लेइंग 11 में कुछ बदलाव दिखे। इसके पीछे की वजह है कि वह अपने कुछ खिलाड़ियों को सेमीफाइनल से पहले रेस्ट दे सकते हैं। वहीं आपको इस बड़े मुकाबले से पहले एक बार दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड के बारे में बताते हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच कुल 118 वनडे मुकाबले अब तक खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 60 तो 50 मुकाबले न्यूजीलैंड ने जीते हैं। वहीं 7 मुकाबलों का कोई नतीजा नहीं निकला जबकि 1 मैच टाई रहा है। वहीं आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में दोनों टीमें सिर्फ एक बार भिड़ी हैं, जिसमें न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया को हराया था। लेकिन वनडे फॉर्मेट में भारत का पलड़ा ही न्यूजीलैंड पर भारी रहा है। वहीं आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में भारत और न्यूजीलैंड कुल 11 बार एक दूसरे के सामने आए हैं, जिसमें 5 बार न्यूजीलैंड तो 5 बार भारत ने बाजी मारी है। वहीं 1 मुकाबले का कोई नतीजा नहीं निकला है।

भारत की टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, शुभमन गिल, केएल राहुल , हार्दिक पंड्या, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, ऋषभ पंत , रविंद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड की टीम: मिशेल सेंटनर (कप्तान), मार्क चौपमैन, डेवोन कॉनवे, माइकल ब्रेसवेल, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, लॉकी फर्ग्यूसन, विल ओश्रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी।

पाकिस्तान में मैदान साफ करते गिर पड़ा ग्राउंड्समैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान में इस समय चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि, भारत अपने सभी मैच दुबई में खेल रहा है। पाकिस्तान में कुछ मैच बारिश के कारण रद्द हुए थे जिसमें से अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया का मैच भी शामिल था। बारिश ने बार–बार मैच में दखल दिया और नतीजा ये रहा कि आखिर में मैच को रद्द करना पड़ा। इस मैदान के ग्राउंडस्टाफ ने काफी मेहनत की ताकि खेलने लायक स्थिति बनाई जाए, लेकिन इस दौरान ऐसा कुछ हो गया है कि देखने वालों की हंसी निकल गई। ग्राउंड स्टाफ मैदान सुखाते हुए गिर पड़ा। ग्राउंड स्टाफ के तीन सदस्य वाइपर से पानी निकाल रहे थे, तभी उनमें से एक शख्स गिर पड़ा जिसे देख बाकी दोनों हंसने लगे। हालांकि, पाकिस्तान के मैदानों का ड्रैनेज सिस्टम काफी सवालों के घेरे में रहा।

न्यूज डायरी

अहम मैच में साउथ अफ्रीका ने कर दिया कप्तान को किया बाहर!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका चैंपियंस ट्रॉफी–2025 में सेमीफाइनल में जाने की करीब है। उसका सामना एक मार्च को कराची के नेशनल स्टेडियम में इंग्लैंड से हुआ। इस मैच में साउथ अफ्रीका को जीत चाहिए और वह अंतिम–4 में जगह बना लेगी। लेकिन इस मैच में टीम मैनेजमेंट ने कप्तान टेम्बा बावुमा को ही बाहर कर दिया। टॉस के समय उनकी जगह एडेन मार्करम कप्तानी करने आए। ये देख हर कोई हैरान रह गया। टॉस इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने जीता जो बतौर कप्तान अपना आखिरी मैच खेल रहे हैं। साउथ अफ्रीका की टीम इस मैच में पहले गेंदबाजी कर रही है। मार्करम ने टॉस के समय बताया कि बावुमा की तबीतय खरबा है और इसी कारण वह इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। हालांकि, ऐसा कई बार देखने को मिला है कि साउथ अफ्रीका अहम मैचों में बावुमा को बाहर कर देता है और इसका कारण बावुमा की धीमी बल्लेबाजी होती है। हालांकि, इस बार ऐसा नहीं दिख रहा है क्योंकि टीम में दो खिलाड़ी बीमार हैं। बावुमा के साथ टीम के सलामी बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी भी बीमार है और इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। ट्रिस्टन स्टब्स इस मैच में ओपनिंग करेंगे। मिडिल ऑर्डर में हेनरिक क्लासेन की वापसी हुई है। उनके आने से टीम के बल्लेबाजी क्रम को रफ्तार मिलेगी। क्लासेन तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं।

नासिर हुसैन और माइकल अथरटन पर भड़के सुनील गावस्कर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन और माइकल एथरटन ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के निर्विवाद लाभ पर सबसे पहले खुलकर चर्चा की। पाकिस्तान के अंतरिम कोच आकिब जावेद ने दुबई में भारत से अपने ग्रुप–स्टेज हार के बाद इसका संक्षेप में जिक्र किया था, लेकिन हुसैन और एथरटन की चर्चा ने वास्तव में इस बहस को हवा दी। इसके बाद, ऑस्ट्रेलिया के घायल कप्तान पैट कमिंस और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रस्सी वैन डेर डूसन ने चौंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को भारत के लिए एक बड़ा फायदाष बताया है। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि कुछ लोगों को विलाप करना बंद कर देना चाहिए और इसके बजाय अपनी टीम के प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। इंग्लैंड के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने पर कटाक्ष करते हुए, गावस्कर ने हुसैन और एथरटन को अपने घर पर ध्यान देने की सलाह दी। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि ये बुद्धिमान और अनुभवी लोग हैं। आप यह क्यों नहीं देखते कि आपकी टीम क्वालीफाई क्यों नहीं कर पाई? लगातार भारत पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, क्या आप अपने घर पर भी ध्यान दे रहे हैं? आपके खिलाड़ी इतनी नाजुक मानसिक स्थिति में हैं– ऐसा लगता है कि जब तक वे कुछ उम्मीदों पर खरे उतरते हैं, तब तक उन्हें परिणामों की परवाह नहीं है। टेस्ट इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल गावस्कर ने आगे कहा– आपको परिणामों की परवाह करनी चाहिए।

रमीज राजा का इस बयान पर फिर उड़ा मजाक, वसीम अकरम ने खींची टांग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व चेयरमैन रमीज राजा ने एक अजीब दावा किया था। उन्होंने कहा था कि स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का डाइट प्लान नासा के वैज्ञानिक बनाते हैं। रमीज राजा ने कहा, रोनाल्डो की जो डाइट प्लान है, वो नासा के साइंटिस्ट सेट करते हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हुआ था, जिसके बाद पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी को जमकर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था। वहीं अब एक पाकिस्तानी शो में रमीज राजा का एक बार फिर सरेआम मजाक बना है। दरअसल, एक पाकिस्तानी शो था जिसमें पूर्व भारतीय खिलाड़ी अजय जडेजा, पाकिस्तान के वसीम अकरम और वकार यूनिस के अलावा एक होस्ट भी था। इस शो का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वसीम अकरम कहते हैं कि, सुना है रोनाल्डो का जो डाइट प्लान है वो नासा बनाता है। अकरम के यह कहने के बाद होस्ट पूछता है किसने बोला था यह... इसके बाद अकरम हंसते हुए बोलते हैं किसने बोला था यह और फिर वकार से पूछते हैं कि किसने बोला था? वकार यूनिस कहते हैं कि उनको नहीं पता। इस सब के बीच तीनों हंसने लगते हैं। लेकिन कोई रमीज राजा का नाम नहीं लेता।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में जल्द तैनात होंगे 117 नए सीएचओः धन सिंह

संवाददाता देहरादून। स्वास्थ्य विभाग को जल्द ही 117 नए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) मिल जाएंगे। एचएनबी मेडिकल विवि की ओर से रिक्त पदों के लिए चयनित सीएचओ की सूची विभाग को भेज दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने शनिवार को मीडिया को जारी बयान में बताया कि इन चयनित सभी सीएचओ को जल्द ही आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में तैनाती दी जाएगी। विदित है कि राज्य में 1683 के करीब आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं। जिसमें से 117 पर सीएचओ तैनात नहीं हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने इन सभी खाली पदों को भरने के लिए एचएनबी मेडिकल विवि को चयन प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए थे। जिस पर नए सीएचओ का चयन कर लिया गया है।

पानी की निकासी के लिए अधिकारियों पर बरसे कैबिनेट मंत्री

संवाददाता देहरादून। काबीना मंत्री गणेश जोशी ने न्यू कैंट रोड हाथीबड़कला में पानी निकासी की समस्या के लिए अधिकारियों से दो टूक कहा है कि पानी की निकासी का स्थायी समाधान तलाशें। उन्होंने कहा कि वह इस कार्य के लिए न तो चिट्ठी लिखेंगे न ही फोन करेंगे। मंदिर पहुंचे कैबिनेट मंत्री से मंदिर पुजारी ने यह समस्या फिर से उठाई, जिसके बाद मंत्री ने शनिवार को जिला प्रशासन और नगर निगम अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने तत्काल समाधान के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

नगर निगम के तीन कर्मचारियों को किया सम्मानित

संवाददाता देहरादून। मेयर सौरभ थपलियाल और नगर आयुक्त नमामी बंसल ने शनिवार को शिवकुमार, सोमपाल, शीला समेत तीन पर्यावरण मित्रों को स्वच्छता सेनानी पुरस्कार देकर सम्मानित किया। नगर निगम की ओर समय–समय पर चयनित कर्मचारियों को दस हजार रुपये नकद और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। इस अवसर पर समस्त मुख्य सफाई निरीक्षकों, सुपरवाइजरों को निर्देश दिए गए कि सभी अपने कार्यक्षेत्र में लोगों को सफाई व्यवस्था को लेकर फीडबैक देने के लिए प्रेरित करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

मुख्यमंत्री ने किया माणा पास स्थित घटना स्थल का हवाई निरीक्षण

निरीक्षण

■ आर्मी हॉस्पिटल में घायल मजदूरों से मुलाकात कर पूछा हालचाल

■ ज्योर्तिमठ पहुंचकर सर्च एंड रेस्क्यू अभियान की जानकारी ली

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, शनिवार को ज्योर्तिमठ पहुंचे। जहां उन्होंने रेस्क्यू अभियान का जायजा लिया। उन्होंने घटनास्थल का हवाई निरीक्षण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 55 में से 50 लोगों को सर्च और रेस्क्यू किया जा चुका है। बाकी 5 लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है। जो लोग रेस्क्यू किए गए हैं उनको ज्योतिर्मठ लाया जा रहा है। सभी का उपचार किया जा रहा है। आवश्कता पड़ने पर हायर सेंटर भी रेफर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आर्मी हास्पिटल में उपचारधीन मजदूरों से मुलाकात कर हालचाल जाना।

उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि खोज बचाव कार्य में किसी प्रकार आवश्यक संसाधनों की कमी न रहे जो भी आवश्यकताएं हैं उनको समय से चिन्हित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार से पूरी मदद मुहैया की जा रही है।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने मुख्यमंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि कल 6 बजे करीब माणा पास के निकट हिमस्खलन हुआ। वहीं पर बीआरओ के 57 मजदूर कंटेनरों में रहते थे जिनमें से 2 मजदूर छुट्टी पर थे। 55 मजदूरों में से आईटीबीपी, सेना ने तेजी से खोजबीन करते हुए अब तक 50 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की ओर से 04 हेलीकॉप्टर भेजे गए हैं। जिनकी मदद से अभी तक 25 मजदूरों को ज्योर्तिमठ लाया गया है। जिनमें से 4 मजदूरों को गंभीर चोटें आयीं हैं। उनका आर्मी अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सकों की देख रेख में इलाज चल रहा है।

डीएम ने आईटीबीपी और आर्मी द्वारा किए गए रेस्क्यू अभियान की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने बताया कि केन्द्र व राज्य सरकार से पूरी मदद मुहैया की जा रही है। उन्होंने कहा एनडीआरएफ 28 सदस्यीय टीम भी घटना स्थल पर पहुंच चुकी है। उन्हें काफी अनुभव है जिस तरह रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है बाकि मजदूरों को जल्द रेस्क्यू किया जाएगा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, एसडीएम चन्द्रशेखर वशिष्ठ व एसीएमओ एमएस खाती मौजूद रहे।

औली के रिसोर्ट में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजें

मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि उन्होंने शनिवार सुबह बदरीनाथ क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने बताया कि वहां पर अत्यधिक बर्फबारी हो रही है तथा 06 से 07 फीट तक बर्फ जमा है। उन्होंने आने वाले दिनों में हिमस्खलन की संभावना के दृष्टिगत जिन स्थानों में श्रमिक कार्य कर रहे हैं, वहां से उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास को एवलांच की संभावनाओं के दृष्टिगत एडवाइजरी जारी करने को कहा। अत्यधिक बर्फबारी के कारण हिमस्खलन की संभावनाओं के मद्देनजर औली, हर्षिल आदि अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों के विभिन्न रिसार्ट में रह रहे सैलानियों को सुरक्षा के दृष्टिगत सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने सैलानियों से अगले तीन दिन इन क्षेत्रों में यात्रा न करने की अपील की है। साथ ही स्थानीय प्रशासन को सुरक्षा के दृष्टिगत सभी जरूरी एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं। माणा हिमसखलन को लेकर गौचर हवाई पट्टी को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

एक सप्ताह के भीतर शिकायत निस्तारण करें विभाग

बैठक

■शिकायत संख्या महज आंकड़ा नहीं है, उत्पीड़न, अभाव, मांग का है इंडिकेटरः जिलाधिकारी

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में सीएम हेल्पलाईन एवं केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली सीपीग्राम में लम्बित शिकायतों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग सीएम हेल्पलाईन, शिकायत निवारण प्रणाली के भाव को समझें। उन्होंने कहा कि शिकायत संख्या महज आंकड़ा नहीं है, उत्पीड़न, अभाव, मांग का है इंडिकेटर दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतें प्रथम पंक्ति के अधिकारियों के स्तर पर ही निवारण हो जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि माननीय सीएम की समीक्षा में जिला अव्वल रहना चाहिए। उन्होंने विभागों को एक सप्ताह के भीतर शिकायत निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर सीएम हेल्पलाईन के मामलों का निस्तारण करें। वहीं वन विभाग, सिंचाई एवं पेयजल से सम्बन्धित शिकायतों पर डीएफओ मसूरी एवं अधीक्षण अभियंता सिंचाई, विद्युत तथा पेयजल रिपोर्ट सहित प्रस्तुत होने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आधी–अधूरी जानकारी के साथ बैठक में प्रतिभाग करने वाले विभागीय अधिकारियों से नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्पूर्ण विवरण सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी नियमावली पढकर सीएम हेल्पलाईन के प्रकरण का निस्तारण करें। कुछ विभागों के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग न किये जाने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाईन से जुड़ी शिकायतों से ज्यादा क्या प्राथमिकता है जो बैठक में प्रतिभाग नही किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों को तत्काल आख्या सहित प्रस्तुत होने के निर्देश दिए।

हर हफ्ते होगी कोई न कोई नंदा–सुनंदा बेटी सशक्त और सुदृढ

संवाददाता देहरादून। सीएम के मार्गदर्शन एवं जिला प्रशासन की नई पहल नंदा सुनंदा योजना निर्धन, असहाय और अनाथ बेटियों की पढ़ाई और कौशल विकास के लिए वरदान साबित हो रही है। जिला प्रशासन का प्रोजेक्ट नंदा–सुनंदा 2.0 बेटियों की पढाई की चिंगारी को भव्य रूप देना इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य। जिलाधिकारी सविन बंसल ने शनिवार को तीन और असहाय बेटियों की पढ़ाई के लिए 98 हजार की आर्थिक सहायता धनराशि वितरित की। नंदा सुनंदा योजना के तहत जिला प्रशासन द्वारा अब तक 11 बेटियों की पढ़ाई और कौशल विकास के लिए आर्थिक सहायता जारी की जा चुकी है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि गरीब, अनाथ, असहाय और विषम परिस्थितियों रह कर पढ़ने और आगे बढ़ने की इच्छा और सोच रखने वाली बेटियां ही हमारे वास्तविक जीवन की नंदा और सुनंदा देवी है। कहा कि नंदा सुनंदा योजना में कमजोर वर्ग की बालिकाओं के चयन के लिए जिला स्तर पर समिति गठन के साथ एसओपी तैयार की गई है।

एसएआईएल ने रोमांचक मैच में एनआईए को हराया

संवाददाता देहरादून। अखिल भारतीय पब्लिक सेक्टर क्रिकेट टूर्नामेंट में एसएआईएल ने रोमांचक मुकाबले में एनआईए को एक रन से शिकस्त दी। अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी और दून क्रिकेट एकेडमी में शनिवार को चार मुकाबले खेले गए। पहला मैच एसएआईएल और एनआईए के बीच खेला गया। इसमें एसएआईएल ने जीत दर्ज की। करन मान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा मैच सीएजी और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लि. (बीएचईएल) के बीच हुआ।